तापमान
अधिकतम 22 .5 डिग्री
न्यूनतम 2.0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार 30 जनवरी 2026

11 इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में ...

12 यत्र तत्र सर्वत्र कूड़ा ही कूड़ा ...

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे
- रोडवेज यूनियन की कर्मचारी भवन में बैठक
- लाहली स्टेडियम में हरियाणा व बंगाल के बीच मैच का आज दूसरा दिन
- पीजीआई के एनस्थीसिया विभाग का राष्ट्र स्तरीय 21वां एनजेड-आईएसएसीओएन सम्मेलन आज

खबर संक्षेप

स्कूल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से सामान चोरी

महम। गिरावड़ गांव के सरकारी स्कूल और गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से एक लाख रुपए से अधिक कीमत का सामान चोरी हो जाने की वारदात सामने आई है। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय गिरावड़ के मुख्य अध्यापक जितेंद्र कुमार ने लाखन माजरा थाने में दी शिकायत में बताया कि स्कूल में पिछले 20 दिन से बिल्डिंग की मरम्मत का कार्य चल रहा है। बुधवार को वह स्कूल में चल रहे कार्य को चैक कर रहा था। इस दौरान उसने देखा कि स्कूल के कमरा नंबर 4, 5, 6, 7 और 8 के दरवाजे के ताले टूटे हुए हैं। और सामान गायब था। कमरा नंबर चार में प्राथमिक विभाग का दफ्तर बनाया हुआ है। वहां से दो इन्वर्टर और बैटरी, एक सीपीयू, एक एचपी कंपनी की एलईडी, सबमर्सिबल की 200 फुट तार, साल 2016 से पहले का परिणाम रजिस्टर, कमरा नंबर 6 में बनी कैंप्यूटर लैब से 15 छोटी बैटरी, चार एलईडी एचपी कंपनी, एक सामान्य प्रिंटर, एक मल्टीपर्पज प्रिंटर, एक अग्निशमन सिलेंडर व अन्य कई तरह का सामान चोरी हो गया।

गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन 4 फरवरी से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय के अंतर्गत यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट फॉर ऑल सर्विसेज द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए सॉफ्ट स्किल्स एवं एसएसबी गाइडेंस प्रोग्राम 4 से 26 फरवरी तक आयोजित किया जायेगा। परियोजना निदेशक प्रो. शालिनी सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में एमडीयू एवं उससे संबद्ध महाविद्यालयों और संस्थानों के नियमित व पूर्व छात्र भाग ले सकते हैं। रिक्त सीटें उपलब्ध होने पर अन्य संस्थानों के छात्र भी इस कार्यक्रम का लाभ उठा सकेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को सॉफ्ट स्किल्स, व्यक्तित्व विकास, मनोवैज्ञानिक तैयारी, ग्रुप टास्क, इंटरव्यू तकनीक तथा सेवा चयन बोर्ड से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया।

6000 रुपये में लगता है पीएनजी कनेक्शन

तीन साल में शहर के 13000 घरों में पाइप से पहुंची रसोई गैस, इनमें भी 1500 परिवार सिलेंडर के सहारे

जिले में एलपीजी के 367851 कनेक्शन

केवाईसी के बाद ही होती है एलपीजी की बुकिंग

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

शहर के पॉश रिहायशी इलाकों में पाइप से रसोई गैस पहुंच गई। साढ़े तीन साल में बीपीसीएल ने 13000 घरों में पीएनजी के मीटर लगा दिए। इनमें से 11500 कनेक्शन एक्टिव हैं। जबकि 1500 लोग इसका लोग प्रयोग नहीं कर रहे हैं। इसकी बड़ी वजह है एक घर में दो कनेक्शन। पहलू ये भी है कि जिनके यहां एलपीजी का कनेक्शन है, उसे वापस लेने का प्रावधान फिलहाल तक नहीं है। यही कारण है कि एलपीजी कनेक्शन एक्टिव हैं। इसका फायदा एलपीजी वितरक ले रहे हैं। वे घरेलू कनेक्शन एक्टिव का बहाना बनाकर कंपनी से एलपीजी सिलेंडर मंगवा रहे हैं। यही सरप्लस सिलेंडर बाजार में ब्लैक में बिक जाते हैं।

मूल्य प्रति किलोग्राम

पीएनजी	एलपीजी	अंतर
57.50	59.85	2.35

बीपीसीएल को दिया काम

6 हजार लगते हैं एक कनेक्शन के सरकार ने शहर में पीएनजी की सप्लाई करने के लिए बीपीसीएल को काम दिया है। कंपनी एक कनेक्शन के एवज में मकान मालिक से 6 हजार रुपये वसूलती हैं। इसमें 5500 रुपये सिक्योरिटी, जो कनेक्शन स्थाई रूप से बंद करने पर वापस कर दिए जाते हैं, लेती है। 500 रुपये सर्विस चार्ज लिया जाता है। अगर मकान में पंद्रह मीटर से ज्यादा पाइप लगती है तो उसका 440 प्रति मीटर के हिसाब से अलग से पैसा वसूला जाता है।

पीएनजी से पके खाने में ज्यादा पौष्टिकता

एलपीजी का कैलोरी मान 11500 किलो कैलोरी/किलोग्राम है, जबकि पीएनजी का कैलोरी मान 9500 किलो कैलोरी/किलोग्राम है। ऊष्मीय मान किसी ईंधन या भोजन की वह मात्रा है, जो उसके इकाई द्रव्यमान (1 किलोग्राम या 1 जी) के पूर्ण दहन (जलाने) से उत्पन्न ऊष्मा ऊर्जा को दर्शाती है। यह ऊर्जा की दक्षता का मापक है। जिसे सामान्यतः किलो जूल प्रति किलोग्राम में मापा जाता है। उच्च कैलोरिफिक मान बेहतर दक्षता को दर्शाता है। इस हिसाब से देखें तो एलपीजी के उष्मा वैल्यू ज्यादा है। एलपीजी से खाना बनाया जाता है कुछ उष्मा बर्बाद हो जाती है। पीएनजी कम उष्मा पैदा करती है तो खाना सहज-सहज बनता है, ऐसे में धीरे-धीरे पके खाने में पौष्टिकता ज्यादा होती है। ध्यान रहे कि कंपनी सेक्टर 1, 2, 3, 4, 14, 34, 35, 36, 36 ए समेत रामगोपाल कॉलोनी,मॉडल टाऊन और इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में सप्लाई दे रही है।

केवाईसी के लिए संदेश दिए गए

> शहर और ग्रामीण क्षेत्र को मिलाकर जिले में एलपीजी के 367851 कनेक्शन हैं। बिना केवाईसी करवाए, अब सिलेंडर बुक नहीं होता है। सभी एलपीजी वितरकों को उनकी कंपनी की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बिना केवाईसी सिलेंडर न दिया जाए। -हरिओम, निरीक्षक जिला खाद्य एवं आपूर्ति कार्यालय

पीएनजी ज्यादा सुरक्षित

> पीएनजी, एलपीजी की बजाय ज्यादा सुरक्षित है। अगर घर में पीएनजी लीक हो गई तो वह साथ-साथ रसोई के खिड़की दरवाजों से बाहर निकल जाएगी। क्योंकि एलपीजी से हल्की है। एलपीजी भारी है तो ये वातावरण में घुलने में काफी समय लगाती है। अगर खुदा ना खास्ता को आग लग जाती है तो एलपीजी ज्यादा नुकसान करेगी। कई बार तो एलपीजी के सिलेंडर तक फट जाने पर जान-माल का काफी नुकसान होता है,ये मिंज ने कहा। -उत्तम मिंज क्षेत्रीय प्रबंधक बीपीसीएल

376 नशा बेचने वालों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेजा

पुलिस पर भारी नशे के कारोबारी हर दांव की ढूंढ़ लेते हैं काट

इंदिरा कॉलोनी में नशा बेचने वालों के घरों को भी गया था तोड़ा

बड़ी चुनौती, नशा तस्कर सामाजिक और कानून व्यवस्था को लगातार बिगाड़ रहे | सबसे ज्यादा चिंता, युवा और ग्रामीण आबादी इसकी चपेट में आ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में नशा तस्करी एक गंभीर सामाजिक और कानून व्यवस्था से जुड़ी चुनौती बन चुकी है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई, नाकाबंदी और धरपकड़ के बावजूद नशे का कारोबार पूरी तरह खत्म नहीं हो पा रहा है। पुलिस ने 376 नशा बेचने वाले लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जेल भी भेजा गया है। बीते एक साल में पुलिस ने बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ पकड़े हैं, लेकिन इसके समानांतर नशे की उपलब्धता भी बनी हुई है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि युवा और ग्रामीण आबादी तेजी से इसकी चपेट में आ रही है। वहीं, पिछले साल इंदिरा कॉलानी में नशा बेचने वाले लोगों के घरों को तोड़ा भी गया था और उनका सामान भी जब्त किया गया था।

सस्ती-आसानी से मिलने वाली चीजों से खतरा

- ❑नशीली गोलियां व कैप्सूल ❑चूरा पोस्त
- ❑ स्मैक (शहर के कुछ खास इलाकों में)
- ❑ ग्रामीण इलाकों में चूरा पोस्त की मांग ज्यादा है, जबकि शहर में नशीली गोलियां और स्मैक तेजी से फैल रही हैं।

कई नेटवर्क सक्रिय

- ❑चूरा पोस्त राजस्थान और मध्यप्रदेश
- ❑अफीम मध्यप्रदेश❑गांजा ओडिशा, आंध्र प्रदेश
- ❑स्मैक दिल्ली-एनसीआर के जरिए ❑नशीली गोलियां उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली

तस्कर हर रोज बदल रहे तरीके

❑बसों और ट्रेनों से छोटे कैरियर❑निजी कार और बाइक❑सब्जी, दूध और कुरियर वाहनों में❑ऑनलाइन ऑर्डर और कैश-ऑन-डिलीवरी ❑कॉलेज और पीजी के जरिए सप्लाई

नशा पकड़ा क्यों नहीं जाता

- ❑ तस्करों की चाल, सिस्टम की मजबूरी ❑ हर खेप छोटी मात्रा में
- ❑ नए-नए रास्तों का इस्तेमाल ❑ मोबाइल और सोशल मीडिया से डील ❑ स्थानीय स्तर पर मुखबिर तंत्र कमजोरडर और लालच के कारण लोग सूचना नहीं देते

सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके

- ❑ शहरी कॉलोनियां❑ कॉलेज व पीजी एरिया
- ❑ बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन
- ❑ हाईवे से सटे गांव

नारकोटिक्स सेल की टीमें लगातार दे रही दबिश

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले एक साल में रोहतक जिले में नशा तस्करी के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। विभिन्न थाना क्षेत्रों और एंटी नारकोटिक्स सेल की टीमों ने सैकड़ों मामलों में नशीले पदार्थ बरामद किए और तस्करों को गिरफ्तार किया।

पिछले एक साल में बरामद नशीले पदार्थ जो नष्ट किए

अफीम-पोस्त-कई क्विंटल बरामद होने के बाद नष्ट की जा चुकी है।
❑चूरा पोस्त 5 क्विंटल के आसपास
❑गांजा करीब 70 किलो ❑स्मैक (हेरोइन) 3 किलो ❑नशीली गोलियां-कैप्सूल 3 लाख से अधिक ❑नशीले इंजेक्शन हजारों की संख्या में ❑इन मामलों में सैकड़ों तस्करों और नशा सप्लायरों पर केस दर्ज किए गए।

नशे के खिलाफ पुलिस क्या कर रही

- ❑एंटी नारकोटिक्स सेल सक्रिय
- ❑विशेष नाकाबंदी अभियान
- ❑स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता
- ❑मुखबिरों को इनाम योजना

नशा करने और बेचने वालों पर हो रही कार्रवाई

> पिछले साल से अभी तक 376 नशा बेचने वाले लोगों को गिफ्तार करके जेल भेजा जा चुक है। नशे के खिलाफ लगातार अभियान जारी है। पुलिस टीमे लगातार नशा करने वाले और बेचने वालों पर कार्रवाई कर रही है। -सुरेंद्र भौरिया, एसपी, रोहतक

रोहित हत्याकांड में निर्णायक मोड़ के संकेत

एसपी से मिला परिवार गिरफ्तारी का भरोसा

रोहतक। एसपी से मिलने आए रोहित धनखड़ के परिजन व पंचायत के पदाधिकारी।

- एसपी बोले, फरार आरोपियों पर पीओ व संपत्ति कुर्की की प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर एवं छह बार के राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता स्वर्गीय रोहित धनखड़ की नृशंस हत्या के मामले में गुरुवार को एक अहम घटनाक्रम सामने आया। एसपी से रोहित धनखड़ के परिजन, गठित कमेटी के सदस्य और पंचायत प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर मामले की प्रगति को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य रोहित धनखड़ हत्याकांड में अब तक की गई पुलिस कार्रवाई, वर्तमान जांच स्थिति और आगे की रणनीति पर स्पष्ट जानकारी हासिल करना रहा। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को अब तक की गई समस्त पुलिस कार्रवाई से अवगत कराया। उन्होंने बैठक के दौरान कुछ अहम तथ्य और कानूनी बिंदु साझा किए, जिनसे यह संकेत मिला कि आने वाले कुछ ही दिनों में इस हत्याकांड में शामिल बचे हुए आरोपियों की गिरफ्तारी संभव है। एसपी ने बताया कि इस मामले में कुल 18 से 20 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि शेष आरोपी फरार हैं।

कोई दोषी नहीं बचेगा : एसपी

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परिवार और पंचायत प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि रोहित धनखड़ हत्याकांड में कोई भी दोषी नहीं बचेगा। सभी जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रहा है और जांच को तेजी से अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। किसी भी हाल में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

निंदाणा गांव में युवक पर जानलेवा हमला, घर के बाहर की गई फायरिंग

शोर मचने पर दो बार लौट चुके थे आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव निंदाणा में बुधवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया और उसके घर के बाहर फायरिंग की। हमले में युवक बाल-बाल बच गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निंदाणा निवासी सूरज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुधवार को कुछ युवक उनके घर के पास पहुंचे। सूरज के अनुसार इन युवकों की पहचान साहिल, रवि, मोहित, नितिन, राहुल और अक्षय के रूप में हुई है, जो जींद जिले के डिमाना गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। आरोप है कि इन युवकों को देखते ही सूरज को खतरे का अंदेशा हो गया, जिसके चलते उसने किसी तरह खुद को छिपाकर अपनी जान बचाई। सूरज ने बताया कि आरोपी कुछ देर तक घर के आसपास घूमते रहे और फिर वहां से चले गए। उस समय कोई वारदात नहीं हुई, लेकिन युवक को आशंका बनी रही कि आरोपी दोबारा लौट सकते हैं।

जल्द होगी गिरफ्तारी

> निंदाणा गांव में फायरिंग की सूचना मिली थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। थाना प्रभारी ने दावा किया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।-सुभाष थाना प्रभारी महम

ब्लैकस्पॉट सुधार को 15 दिन की डेडलाइन तय

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने वीरवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सड़क अवसंरचना से जुड़ी कमियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं व मौतों पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत 15 दिन में सभी आवश्यक प्रबंध करने बारे सख्त निर्देश दिये। संकेत चिन्हों की कमी, गड्ढों, अवैध कट या खराब रोशनी के कारण होने वाली किसी भी मौत को प्रशासनिक विफलता माना जाएगा। एजेंसियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय होगी। हमारा उद्देश्य रोहतक में सड़क अवसंरचना के कारण शून्य मौतें सुनिश्चित करना है।

मांगों को लेकर हैफेड के अनुबंधित कर्मियों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

1.20 लाख अनुबंधित कर्मियों को नौकरी की सुरक्षा देने का वादा पूरा करने की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हैफेड विभाग के अनुबंधित कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों एवं नौकरी सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों ने सरकार का ध्यान अपनी वर्षों पुरानी समस्याओं की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। हरियाणा अनुबंधित कर्मचारी संघ (हैफेड हरियाणा) से संबंधित भारतीय मजदूर संघ के उपाध्यक्ष आकाश बल्हारा ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने लगभग 1.20 लाख एचकेआरएन अनुबंधित कर्मचारियों को नौकरी सुरक्षा देने का वादा किया था, लेकिन अब सरकार अपने ही वादे से पीछे हटती नजर आ रही है। हैफेड विभाग के अनुबंधित कर्मचारी पिछले 10 से 15 वर्षों से पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। 25 दिसंबर 2025 को सरकार द्वारा जारी किए गए नौकरी सुरक्षा पोर्टल में हैफेड विभाग के कर्मचारियों को शामिल नहीं किया गया है।

रोहतक। मांगों के लिए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल को ज्ञापन देते हैफेड के अनुबंधित कर्मी।

विवेकानंद लाइब्रेरी में 50 लाख की लागत से बन रहा हाईटेक सेक्शन

एमडीयू में बन रहा होनहारों का विशेष कॉर्नर, एक साथ 100 छात्र कर सकेंगे यूपीएससी-एचसीएस की तैयारी

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने अपने विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन अब अपने परिसर में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) की तैयारी के लिए शानदार सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके लिए विवेकानंद लाइब्रेरी में एक विशेष हाई-टेक सेक्शन (कॉर्नर) तैयार किया जा रहा है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। लाइब्रेरियन डॉ. सतीश मलिक ने बताया कि एलपीएस बोसार्ड के सहयोग से 50 लाख रुपये की लागत से इस विशेष कॉर्नर की स्थापना की जा रही है। इसमें 100 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था होगी। इस सेक्शन को पूरी तरह आधुनिक बनाया जा रहा है, जिसमें बेहतरीन फर्नीचर, एसी, कारपेट और रफंड ग्लास का उपयोग किया जाएगा। डॉ. सतीश मलिक ने कुलपति प्रो. राजबीर सिंह का धन्यवाद किया।

रोहतक। एमडीयू के पुस्तकालय में यहां बनेगा विशेष कॉर्नर। फोटो : हरिभूमि

हाई-टेक सुरक्षा और सुविधाएं

केवल वही विद्यार्थी यहां बैठ सकेंगे, जिनका पंजीकरण एमडीयू की कंपीटीटीव सेल में होगा। सुरक्षा और सुव्यवस्था के लिए थंब इंप्रेशन या आई कॉन्टैक्ट (आईरिस स्कैन) आधारित एंट्री सिस्टम लगाया जाएगा। चयनित विद्यार्थी को एक समर्पित टेबल, कुर्सी और रैक आवंटित किया जाएगा। पुस्तक लेनी है वह लाईब्रेरी से सात दिन के लिए बुक इशू करवा सकता है। उसके बाद दूसरी बुक ले सकता है। एक विद्यार्थी एक समय में 10 पुस्तकें सात दिन के लिए इशू करवा सकेगा।

मार्गदर्शन भी मिलेगा

लाइब्रेरियन डॉ. सतीश मलिक ने बताया कि सप्ताह में तीन दिन विशेषज्ञों द्वारा परीक्षा पैटर्न और विषयों की गहन जानकारी दी जाएगी। कोचिंग और थ्योरी कक्षाएं स्वराज सदन में आयोजित होंगी। मॉक टेस्ट, इंटरव्यू की तैयारी और ग्रुप डिस्कशन के लिए 5-7 छात्रों की क्षमता वाला एक अलग कमरा बनाया जाएगा। मानसिक तनाव को दूर करने और लक्ष्य के प्रति प्रेरित रखने के लिए काउंसलिंग की सुविधा भी मिलेगी।

पुस्तकालय एक नजर में

एमडीयू के पुस्तकालय को 2024 में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय पुस्तकालय के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यहां चार हजार तक विद्यार्थी रोजाना पढ़ रहे हैं। 2000 विद्यार्थी 24 घंटे व सप्ताह के सातों दिन पढ़ सकते हैं। इसमें कुल 4.17 लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं। 60 हजार जरनल पत्र-पत्रिकाएं हैं। एक लाख ई-बुक उपलब्ध हैं। 13 हजार ई-जरनल व 17 डाटाबेस हैं।

एनस्थीसिया विभाग में एनजेड-आईएसएसीओएन सम्मेलन आज से

एनस्थेसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और अनुसंधान पर होगा मंथन

कुलपति करेंगे शुभारम्भ 200 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के निश्चेतन विभाग द्वारा पीजीआईएमएस में राष्ट्रीय स्तरीय 21वां एनजेड-आईएसएसीओएन (इंडियन सोसाइटी ऑफ एनस्थीसियोलोजिस्ट नॉर्थ जोन) नॉर्थ जोन सम्मेलन का आयोजन 30 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस सम्मेलन में पूरे देश-विदेश से करीब 200 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। यह जानकारी पीजीआईएमएस के निदेशक और एनस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके सिंघल ने बृहस्पतिवार को अपने विभाग में एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी। निदेशक ने बताया कि वें इस कांफ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन भी हैं। सम्मेलन का आयोजन एनस्थीसियोलोजिस्ट और क्रिटिकल केयर विभाग द्वारा किया जा रहा है।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते पीजीआई के निदेशक और निश्चेतन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके सिंघल व अन्य डॉक्टर।

इन विषयों पर कार्यशालाएं

डॉ. सिंघल ने बताया कि इस सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी, जिनमें एयरवेज मैनेजमेंट, न्यूरो मॉनिटरिंग, अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल ब्लॉक्स, बीसीएलएस और सीसीएलएस, रिसर्च मेथडोलॉजी, मैकेनिकल वेंटिलेशन, कम्युनिकेशन स्किल्स, ट्रॉमा रेसुसिटेशन बूट कैंप, लीडरशिप, टीमवर्क और मैनेजरियल स्किल्स, और क्रॉनिक पेन मैनेजमेंट शामिल हैं।

एआई तकनीक से कर रहे इलाज

डॉ. सुशीला तक्षक ने कहा कि पीजीआई का एनस्थीसिया विभाग अत्याधुनिक एआई तकनीक से मरीजों को इलाज उपलब्ध करवाने में मदद कर रहा है, जिससे सर्जन सफल ऑपरेशन कर रहे है।डॉ. कीर्ति, डॉ राजमाला जायसवाल, डॉ टीना बंसल, डॉ अंजू घई मौजूद रहे।

अनुभव साझा करेंगे

सम्मेलन की ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सुशीला तक्षक ने बताया कि यह सम्मेलन चिकित्सकों और विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपने अनुभव और ज्ञान को साझा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान कटिंग एज डिस्कसन, वर्कशाप, सीएमई, पोस्टर प्रस्तुतिकरण, वाद विवाद प्रतियोगिता, ओरेशन, की नोट एड्रेस, पोडियम प्रस्तुतिकरण, पीजी क्विज, बेस्ट पेपर अवार्ड सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

वनस्पति जगत / शिखर चंद जैन

अजब-अनोखे मनभावन फूल

रंग-बिरंगे मनमोहक फूल किसे नहीं भाते! इन फूलों की अगर अपनी कोई ऐसी खूबी हो, जो बहुत अनोखी हो तो इनका आकर्षण और बढ़ जाता है। जानो, ऐसे ही कुछ अजब-अनोखे फूलों के बारे में कि ये किस कारण अनोखे हैं और ये कहां पाए जाते हैं?

बच्चो, फूल अपनी खूबसूरती और सुगंध के लिए तो जाने जाते ही हैं, इसके अतिरिक्त दुनिया में कई ऐसे फूल हैं, जो बहुत अजब-गजब हैं, जो भी इन्हें देखता है, आश्चर्यचकित रह जाता है। यहां हम बता रहे हैं, ऐसे ही कुछ अनोखे फूलों के बारे में।

मंकी ऑर्किड: नाम के मुताबिक ही इसकी पंखुड़ियों की बनावट बिल्कुल बंदर के चेहरे जैसी होती है। यह फूल मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के देश इक्वेडोर और पेरू के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है। इस फूल में से पके हुए संतरे जैसी खुशबू आती है।

ब्लीडिंग हार्ट: यह फूल गहरे गुलाबी और सफेद रंग का होता है। इसका आकार दिल जैसा होता है, जिसके नीचे से एक बूंद टपकती हुई दिखाई देती है। यह ब्लीडिंग हार्ट जैसा ही दिखता है। यह फूल साइबेरिया, चीन और जापान में पाया जाता है।

हुकर्स लिप: यह फूल किसी महिला के होंठों पर लगी लिपस्टिक जैसा दिखता है। मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षा वनों में पाया जाने वाला यह पौधा, फूलों जैसे दिखने वाले अपने चटक लाल रंग के ब्रैक्ट्स (पत्तियों का एक रूप) के लिए मशहूर है।

स्वैडल्ड बेबीज ऑर्किड: इस मोहक फूल की बनावट ऐसी होती है जैसे कपड़े में लिपटा हुआ कोई नन्हा बच्चा सो रहा हो। यह फूल मूल रूप से कोलंबियाई देश के एंडीज पर्वत श्रृंखला के वनों में पाया जाता है।

नेकेड मैन ऑर्किड: भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पाया जाने वाला यह फूल अपनी विचित्र आकृति के लिए प्रसिद्ध है। इसके छोटे-छोटे फूल बिना कपड़ों वाले इंसान की आकृति जैसे दिखते हैं।

फ्लाइंग डक ऑर्किड: ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला यह छोटा-सा ऑर्किड उड़ते हुए बत्तख जैसा दिखता है। यह आकार असल में कीड़ों को परागण के लिए आकर्षित करने के लिए होता है।

डांसिंग गर्ल्स: पूर्वी अफ्रीका के वर्षा वनों में पाए जाने वाले ये दुर्लभ फूल, सफेद या हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इनकी बनावट ऐसी होती है, जैसे कोई लड़की डांस कर रही हो।

पैरट फ्लावर: थाईलैंड और म्यांमार में पाया जाने वाला यह फूल एक उड़ते हुए तोते जैसा दिखता है। इसे दुर्लभ श्रेणी में रखा गया है। इस फूल का देश से बाहर निर्यात प्रतिबंधित है।

बर्ड ऑफ पैराडाइज: यह फूल उड़ते हुए रंग-बिरंगे पक्षी जैसा दिखता है। इसके चटक नारंगी और नीले रंग इसे बेहद मनमोहक बनाते हैं। *

खास समय में खिलने वाले फूल

बच्चो, कुछ फूल ऐसे होते हैं, जो किसी खास समय में ही खिलते हैं। इन फूलों में भी कई विशेषताएं पाई जाती हैं।

मॉर्निंग ग्लोरी: यह एक खूबसूरत बेल वाला पौधा है, जो अपने तुरही के आकार के फूलों के लिए जाना जाता है। ये फूल सुबह सूरज उगने पर खिलते हैं। ये बैंगनी, नीले, गुलाबी, लाल और सफेद रंगों के होते हैं।

चांदनी रात में खिलने वाले फूल: कुछ फूल, जैसे 'मून फ्लावर' दिन में बंद रहते हैं और रात में चांद की रोशनी में खिलते हैं, जो रात के समय एक अनोखा नजारा पेश करते हैं। रात में खिलने वाले ये फूल न केवल सुंदर होते हैं, बल्कि उनकी खुशबू भी बहुत मनमोहक होती है।

रात की रानी: नाइट ब्लूमिंग जैस्मिन यानी रात की रानी अपने छोटे सफेद फूलों और भीनी-भीनी खुशबू के लिए प्रसिद्ध है। इसे पारिजात या हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इसके सफेद फूल और नारंगी डंठल होते हैं। यह रात में खिलता है और सुबह होने पर खुद-ब-खुद जमीन पर गिर जाता है।

रजनीगंधा: इसके लंबे डंठल पर सफेद फूल खिलते हैं, जिनकी खुशबू रात में और भी बढ़ जाती है।

फोर ओ क्लॉक फ्लावर: यह फूल अक्सर शाम को 4 बजे खिलते हैं और रात भर खिले रहते हैं। इसे गुल अब्बास का पौधा या मीराबिलिस जलापा कहा जाता है। इसे कृष्णकली, संध्याकली, संजमल्लिगे, अंधीमल्लिगाई और लंकाफूल भी कहा जाता है।

ईवनिंग प्रिमरोज: इसके पीले फूल शाम के समय खिलते हैं और अपनी मीठी महक बिखेरते हैं।

ब्रह्म कमल: इस फूल को 'हिमालय का सम्राट' कहा जाता है। यह साल में केवल एक बार रात में खिलता है और सुबह होते ही बंद हो जाता है।

सफेद-घने फर वाला पोलर बियर

पोलर बियर यानी ध्रुवीय भालू, एक बेहद क्यूट-सा दिखने वाला जंतु है। लेकिन यह जितना क्यूट दिखता है, उतना ही खतरनाक भी है। जानो, आर्कटिक क्षेत्र में पाए जाने वाले पोलर बियर के बारे में कुछ और बातें।

जंतु जगत
रेखा शाह आरबी

बच्चो, कोई भी जब पोलर बियर को देखेगा तो इसकी सुंदरता और क्यूटनेस देखकर मोहित हो जाएगा। देखने में इतना मासूम लगता है कि आभास ही नहीं होता कि यह एनिमल एक खतरनाक शिकारी भी है। पोलर बियर, आर्कटिक क्षेत्र का सबसे बड़ा मांसाहारी शिकारी जंतु कहा जाता है।

शारीरिक विशेषताएं: पोलर बियर का फर सफेद रंग का होता है। लेकिन उसकी स्किन काली होती है। बहुत घने फर के कारण यह पूरा सफेद दिखाई देता है। इसका वजन 300 से 700 किलोग्राम तक हो सकता है। लंबाई की बात करें, तो एक वयस्क पोलर बियर की लंबाई 8 से 10 फीट तक होती है। इसका खूबसूरत फर वास्तव में पारदर्शी और खोखला होता है। जिससे धूप की रोशनी नीचे काली त्वचा तक पहुंचती है, जो गर्मी सोख लेती है। फर की मोटी परत और त्वचा के नीचे फैट (वसा) की मोटी परत इसे ठंड से बचाती है। पोलर बियर के पैर बड़े, चौड़े और खुरदुरे होते हैं, जो इसे बर्फ पर चलने में सहायक होते हैं, फिसलने से बचाते भी हैं। पोलर बियर एक बेहतरीन तैराक भी होता है।

आवास व आहार: आर्कटिक महासागर और उसके आस-पास के समुद्री बर्फ वाले क्षेत्र, पोलर बियर के मुख्य निवास स्थान हैं। कनाडा, ग्रीनलैंड, अलास्का (अमेरिका), स्वालबार्ड (नॉर्वे) जैसी बर्फीली जगहों पर यह मुख्य रूप से पाया जाता है, क्योंकि इसका भोजन वहीं पर मिलता है। यह सील का शिकार करता है। आहार में मुख्य रूप से यह सील ही खाता है। हालांकि यह अन्य स्तनधारी जंतुओं का भी शिकार करता है।

माहिर शिकारी: पोलर बियर एक माहिर शिकारी होता है। यह घात लगाकर शिकार करता है। दरअसल, बर्फ के नीचे रहने वाली सील सांस लेने के लिए, बर्फ में छेद बनाकर रहती है। वहीं पर यह घात लगाकर बैठा रहता है। सील सांस लेने के लिए जैसे ही बाहर आती है, यह उसका शिकार कर लेता है। *

जरूरी है पोलर बियर का संरक्षण

आर्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए पोलर बियर बहुत ही जरूरी प्राणी है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण पोलर बियर विलुप्तप्राय हो रहे हैं। आईयूसीएन ने पोलर बियर के लिए ग्लोबल वार्मिंग को सबसे बड़े खतरे के रूप में सूचीबद्ध किया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है, इसलिए पोलर बियर के आवास और शिकार (सील) नष्ट हो रहे हैं। इसकी आबादी घट रही है और यह इंसानी बस्तियों के करीब आ रहा है। इस कारण पोलर बियर और इंसानों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। प्रकृति और जलवायु संतुलन के लिए पोलर बियर का संरक्षण बहुत जरूरी है।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

मजेदार किस्सों का पिटारा

बच्चो, जब तुम जाने-माने लेखक स्वयं प्रकाश की लिखी किताब 'सप्पू के दोस्त' पढ़ोगे तो कभी तुम्हें लगेगा कि सप्पू तो खुद लेखक है, फिर दूसरे ही क्षण लगेगा कि सप्पू तुम स्वयं हो या फिर लगेगा सप्पू तुम्हारा दोस्त है। इस किताब में तुम्हें सप्पू के 11 किस्से पढ़ने को मिलेंगे। हर किस्से में तुम सप्पू के साथ जगह-जगह का मजा लोगे। कभी रेल के डिब्बे में होगे, कभी स्कूल के मैदान में तो कभी रास्ते में किसी मजमे वाले के पास रुककर तमाशा देखोगे। कुछ किस्सों के तो शीर्षक भी एक-एक शब्द के हैं, जैसे- 'इम्मी', 'सबक', 'अमरूद', 'कुली', 'गणेशीलाल'। मजे की बात यह है इन किस्सों में स्वयं सप्पू हीरो नहीं है। हीरो कभी कुली है तो कभी गणेशीलाल या कोई और। बहुत ही निराली है सप्पू की बचपन की दुनिया। बच्चो, एक बार किताब को हाथ में लोगे तो पूरी किताब पढ़कर ही तुम्हें चैन मिलेगा। फिर तुम इस किताब को दोस्तों को भी पढ़ाओगे, ताकि तुम सप्पू के किस्सों पर चर्चा कर सको। किताब के चित्र भी सप्पू के किस्सों की तरह बहुत मजेदार हैं, हंसाते हैं, गुदगुदाते हैं। *

किताब: सप्पू के दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** स्वयं प्रकाश
मूल्य: 200 रुपए, **प्रकाशक:** जुगनू प्रकाशन, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिंकी: आंखों के भाई को हम किस नाम से बुलाते हैं?
पिंकी: पता नहीं, तुम्हीं बता दो।
रिंकी: आई-ब्रो।
-हर्षिता, रायपुर

डॉक्टर: मिक्की, इस दवाई को दिन में चार चम्मच लेना।
मिक्की: फिर तो डॉक्टर अंकल, मैं यह दवा नहीं पी पाऊंगी।
डॉक्टर: वो क्यों?
मिक्की: मेरे घर में तो सिर्फ दो चम्मच ही हैं।
-कविता, दुर्ग

पापा: आज मैथ्स टेस्ट में तुम्हारे कितने नंबर आए?
सोनू: मोनू से बीस नंबर कम।
पापा: अच्छा! मोनू के कितने नंबर आए हैं?
सोनू: बीस नंबर। -अमन, बिलासपुर

जीके क्विज-190

1. हाल ही में किस भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की है?
2. भारत के 92वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले शतरंज खिलाड़ी कौन हैं?
3. भारत के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
4. दिल्ली के लाल किले का निर्माण किसने करवाया था?
5. हाल में ही वायु सेना के किस अफसर को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया?
6. पूर्व न्यायाधीश के टी थॉमस को हाल ही में किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
7. विटामिन ई का रासायनिक नाम क्या है?
8. कौन-सा विटामिन बोंस को मजबूत बनाने में सहायक होता है?
9. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
10. माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?

बच्चो, जीके क्विज-190 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-189 का उत्तर : 1.उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा, 2. 77वां, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.15 जनवरी, 5.गुजरात, 6.1950 ई., 7. बी.आर. अंबेडकर, 8.6 (छह), 9.डॉ. राजेंद्र प्रसाद, 10.बंकिम चंद्र चटर्जी

जीके क्विज-189 का सही उत्तर देने वाले : भूमेश-महासमुंद, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, रमेश-बैकुंठपुर, तान्या-दुर्ग, कोमल-हिसार, संचित-रायपुर, अमन-बिलासपुर, सौम्या-बलौदा बाजार, कल्पेश-मटियारी, पवन-दुर्ग

कहानी
गोविंद शर्मा

क्या कोई बंदर पढ़ाई में मन ना लगाने वाले किसी बच्चे को ऐसा सुधार सकता है कि वह बच्चा पढ़ाकू बन जाए? ऐसी अनहोनी दादा जी के साथ उनके बचपन में हुई थी। दादा जी को एक बंदर ने कैसे सुधारा? पढ़ो, एक मजेदार कहानी।

बंदर जी ने सुधारा!

एक दिन बच्चों ने दादा जी को घेर लिया। बच्चे अकसर ही दादा जी का घेराव अच्छी-अच्छी, प्यारी-प्यारी बातें करने लिए करते रहते हैं। एक बच्चे ने पूछा, 'दादा जी, आप कितनी ही भाषाएं हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, संस्कृत पढ़ना-लिखना जानते हैं! आप तो कहते हैं कि सिर्फ स्कूल में पढ़े हैं। कभी कॉलेज में पढ़ने नहीं गए। आपको ज्यादा से ज्यादा पढ़ना किसने सिखाया?

'एक बंदर जी ने।' दादा जी तुरंत बोले।

बच्चे चौंके, 'बंदर ने! दादा जी, यह क्या कह रहे हैं? आप अपने अध्यापक जी को बंदर जी कह रहे हैं?'

'नहीं-नहीं, मैं तो एक बंदर जी को अध्यापक जी कह रहा हूं।' यह कहकर दादा जी मुस्कुराए।

'आप कह क्या रहे हैं दादा जी? बंदरों को तो मदारी लोग यानी आदमी सिखाते हैं। आप किसी बंदर से कैसे सीखे?' बच्चे दादा जी की बात समझ नहीं पा रहे थे।

'सच कहूं या झूठ?' दादा जी हंसते हुए बोले।

'दादा जी, आप क्या झूठ बोलना भी जानते हैं? हमें तो सदा ही सच बोलना सिखाते हैं।' बच्चे बोले।

दादा जी गंभीर हो गए, बोले, 'चलो, मैं अपनी एक सच्ची कहानी सुनाता हूं। जब मैं स्कूल में था, मेरी रुचि पढ़ने में बहुत कम थी। घर के लोग और स्कूल के कुछ अध्यापक इस कोशिश में रहते थे कि पढ़ने में और स्कूल में टिके रहने में मेरी रुचि बढ़े।'

'यह स्कूल में 'टिके रहना' क्या होता है?' बीच में एक बच्चा बोला।

'टिके रहना भी होता है। मुझे जब भी मौका मिलता, क्लास छोड़कर स्कूल से भाग जाता। इधर-उधर घूमता और छुट्टी होने के समय घर आ जाता।' दादा जी ने बताया।

'क्या आप स्कूल बैग के साथ स्कूल से बाहर आ जाते थे?' एक बच्चे ने सवाल किया।

'अरे नहीं, स्कूल बैग क्लास में छोड़ आता था। छुट्टी होने पर कोई दोस्त वह बैग बाहर लाकर मुझे दे देता। हम स्कूल बैग को बस्ता कहते थे। मेरी तरह स्कूल के कुछ और बच्चे भी ऐसा करते थे। हम स्कूल के मुख्य द्वार से बाहर नहीं जाते थे। क्योंकि ऐसा करने पर हेड मास्टर जी या कोई और मास्टर जी देख सकते थे। इसलिए, हम स्कूल की पिछली दीवार लांघकर बाहर जाते थे यानी बंक मारते थे।' दादा जी एक पल रुके, फिर आगे बोले, 'एक दिन गजब हो गया। जैसे ही मैं दीवार से दूसरी तरफ कूद कर खड़ा हुआ, एक बंदर पता नहीं कहां से आ गया। उस समय हमारे स्कूल के आस-पास बंदर नहीं होते थे। मैं उस बंदर को देखता रहा और वह मुझे देखता रहा। मैं जाने लगा तो वह 'खों खों' करता मेरी तरफ बढ़ा। मैं डर गया। मैं कभी इधर तो कभी उधर भागने लगा। बंदर ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा। मैं किसी तरह वापस दीवार पर चढ़कर स्कूल की बाउंड्री में कूद गया। कुछ और बच्चों को भी उस बंदर ने स्कूल से यूं भागने से रोका। मैंने एक-दो दिन बाद फिर कोशिश की। पर हर बार वह बंदर मुझे तैयार मिलता। स्कूल से मुझे भागने नहीं देता। उसके डर से मैं स्कूल के समय में स्कूल में ही रहने लगा। अपनी कक्षा में बैठने लगा। पढ़ाई में रुचि लेने लगा। मुझे पढ़ने में भी मजा आने लगा। एक दिन तो गजब हो गया। मुझे अपने गणित के अध्यापक जी के मुंह से थैंक यू सुनने को मिला। अध्यापक जी बोले, 'पहले मुझे लगता था कि तुम इस कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम खराब कर दोगे। लेकिन अब लगता है, तुम्हारी गणित में रुचि लेने से परिणाम ज्यादा अच्छा रहेगा, थैंक यू!' बच्चो, शायद तुम समझ गए होगे कि उस समय मुझे कितनी ज्यादा खुशी हुई होगी, क्योंकि अध्यापक जी से थैंक यू कभी-कभी ही मिलता है। मैं तुम लोगों से यही कहना चाहूंगा कि किसी भी जानवर को कभी कम नहीं समझना चाहिए।'

'बिल्कुल दादा जी, हम यह समझ गए कि आप किसी अध्यापक को बंदर जी नहीं कह रहे हैं बल्कि बंदर को ही बंदर जी कह रहे हैं। कहना भी चाहिए, क्योंकि आपको और आप जैसे दूसरे बच्चों को सुधारने में जहां अध्यापक जी सफल नहीं हुए, वहां एक बंदर जी सफल हो गए। लेकिन हम तो आपसे ही बहुत कुछ सीख रहे हैं, इसलिए आपको ही कहेंगे थैंक यू!'

इसके बाद तो कुछ देर तक बच्चे हंसते रहे। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

बिना पंख उड़ता है मन

बहुत तेज चलता है मन।
मनचाहा करता है मन।।
गहरी नदियों में जाता,
हीरे-मोती ले आता,
ऊंचे-ऊंचे शिखरों पर
बिन पैरों चढ़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
उड़न खटोला ले आता,
दूर देश तक ले जाता,
स्वर्गलोक की परियों से
पल भर में मिलता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
रॉकेट जैसा खूब उड़े,
सूर्य चंद्र से बात करे,
नील गगन में सन-सन-सन
बिना पंख उड़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
किले हवाई बड़े-बड़े,
पल में जीते बिना लड़े,
महल खयाली कितने ही
क्षण भर में रचता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
सागर में गोता खाता,
पनडुब्बी-सा बन जाता,
खतरनाक शेरों को भी
काबू में करता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां एक एंग्री बर्ड के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये पांच अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1.एंग्री बर्ड की टेल का एक फर ब्लू है। 2.एंग्री बर्ड के पीछे पेड़ में कोटर नहीं है। 3.ऊपर पेड़ की तीन पत्तियां कम हैं। 4.एंग्री बर्ड के बाएं पैर में एक अंगुली कम है। 5.एंग्री बर्ड के आगे स्नेल का डायरेक्शन बदला हुआ है।

सही रास्ता खोजो

बच्चो, इस चित्र में दिख रहे मंकी को स्टार टच करना है। लेकिन स्टार जिस जगह रखा हुआ है, वहां तक पहुंचने का रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम मंकी को स्टार तक पहुंचने का रास्ता तो बताओ जरा।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल परिसर में हुआ प्रतियोगिता का आयोजन

इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में सीआरए कॉलेज और टीका राम गर्ल्स कॉलेज बने विजेता

रोहतक। इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में भाग लेते प्रतिभागी और विजेताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल परिसर में वीरवार को आयोजित इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री (पुरुष एवं महिला) चैम्पियनशिप 2025-26 में पुरुष वर्ग में सीआरए कॉलेज सोनीपत व महिला वर्ग में टीका राम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत विजेता बना।

कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने बतौर मुख्यातिथि इस खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि जोश, जज्बा, जुनून और जज्बात से एक निपुण खिलाड़ी बनें। कुलसचिव ने जीवन की चुनौतियों को स्वीकार कर अवसर में बदलकर सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक खेल डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने की। उन्होंने प्रारम्भ में स्वागत भाषण देते हुए खेल प्रतियोगिता का ब्यौरा दिया। एमडीयू खेल परिषद की अध्यक्ष डॉ. राजवंती शर्मा ने आभार जताते हुए जीवन में खेल की महत्ता को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई। आयोजन सचिव डॉ. रमेश सिंधु ने इस प्रतियोगिता का सफल संचालन एवं समन्वयन किया। मंच संचालन ताइक्वांडो कोच अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक खेल डॉ. तेजपाल, पीआरओ पंकज नैन, खेल प्रशिक्षक विजय कुमार, मनीष कुमार, सुभाष शर्मा, मनोज कुमार, केएस सैनी, मुकेश गोयल, श्रीओम, खेल कार्यालय से नरेंद्र शिलक समेत प्रतिभागी टीमों के इंचार्ज, खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

इस खेल प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में दूसरा स्थान जाट कॉलेज ने और तीसरा स्थान सत जिंदा कल्याण कॉलेज ने प्राप्त किया। महिला वर्ग में दूसरा स्थान एमकेजेके कॉलेज रोहतक ने प्राप्त किया।

पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में सीआरए कॉलेज के संदीप पाल प्रथम, आकाश द्वितीय और विनय तृतीय रहे। महिला व्यक्तिगत वर्ग में टीका राम गर्ल्स कॉलेज की खुशी ने प्रथम, ज्योति ने द्वितीय और अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

कुलपति ने दिया चुनौतियों को अवसर में बदलने का मंत्र

प्रतियोगिता के लिए 13 खिलाड़ियों का चयन

रोहतक। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज फिजिक प्रतियोगिता के लिए ट्रायल का आयोजन किया गया। केन्द्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं खेल बोर्ड की ओर से अखिल भारतीय सिविल सेवा फिजिक प्रतियोगिता में हरियाणा की पुरुष टीम का चयन किया गया। यह ट्रायल छोटूराम स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न सरकारी विभागों के 13 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। ये खिलाड़ी 17 से 19 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

मास्टर पूर्णमल स्मृति अंडर 19 क्रिकेट लीग में देहरादून ने दिल्ली को हराया

रोहतक। बुधराम राजपूत स्मृति सोसाइटी की ओर से आयोजित चौथी मास्टर पूर्णमल स्मृति अंडर-19 क्रिकेट लीग में महाराजा अग्रसेन क्रिकेट स्टेडियम में आयुष क्रिकेट अकादमी देहरादून ने बाल भवन दिल्ली को सात विकेट से हराया। आयुष देशवाल को प्लेयर ऑफ द मैच और दिल्ली के लिए अश्मित जिंधर कंपीटीटर ऑफ द मैच बने। फाइनल मुकाबले में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने उतरी बाल भवन दिल्ली ने अश्मित जिंदल के 95 गेंदों पर 6 चौके व 1 छक्के के साथ 76, कार्तिकेय खजूरिया 37 गेंदों पर 5 चौके के साथ 35 की बदौलत 36.2 ओवर में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। देहरादून की ओर से सचिन यादव, विनायक और आयुष देशवाल ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में 178 रन का पीछा करने उतरी आयुष क्रिकेट अकादमी देहरादून ने आयुष देशवाल के 24 गेंदों पर 3 चौके और 5 छक्कों के साथ 51 और समर्थ सेमवाल के 47 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्कों के साथ नाबाद 60 रनों की मदद से महज 20.2 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बाल भवन की ओर से अंकित जिंधर, बलजोत सिंह और सौमिक अग्रवाल ने 1-1 विकेट लिए। लीग में 5 पारियों में सर्वाधिक 296 रन बना लक्ष्य नारंग सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, 4 पारियों मे 12 विकेट के साथ सुभाष यादव सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गए। विजेता और उपविजेता टीम को बुधराम राजपूत स्मृति सोसाइटी की ओर से लक्ष्मी देवी ने एक लाख और 50 हजार के नकद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी प्रदान की।

रोहतक। आयरलैंड प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए रवाना होने से पहले मौजूद भारतीय खेल प्राधिकरण की टीम। फोटो: हरिभूमि

भारतीय खेल प्राधिकरण की टीम प्रशिक्षण लेने आयरलैंड रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय खेल प्राधिकरण की वीरवार को आयरलैंड के एडेन्डेरी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं स्पैरिंग शिविर में भाग लेने के लिए रवाना हुई। यह शिविर 30 जनवरी से 10 फरवरी 2026 तक कुल 11 दिनों की अवधि के लिए आयोजित किया जाएगा।

इस दल में कुल 20 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें 10 पुरुष एवं 10 महिला खिलाड़ी सम्मिलित हैं। खिलाड़ियों के साथ 02 प्रशिक्षक तथा 01 खेल विज्ञान स्टाफ सदस्य भी टीम का हिस्सा हैं, जो खिलाड़ियों को तकनीकी, शारीरिक एवं वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं स्पैरिंग शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय अनुभव तथा प्रतिस्पर्धात्मक अभ्यास का अवसर प्रदान करना है, जिससे उनके प्रदर्शन स्तर में और अधिक सुधार हो सके।

इस अवसर पर गौरव रावत उप निदेशक ने टीम के सभी खिलाड़ियों एवं स्टाफ सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दीं व आशा व्यक्त की कि यह अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण अनुभव खिलाड़ियों के कौशल, आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा खिलाड़ियों को नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव के लिए विदेश भेजा जाता है, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और वे वैश्विक स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वयं को तैयार कर पाते हैं।

रणजी ट्रॉफी एलीटः बंगाल ने पहले दिन 3 विकेट पर 168 रन बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चौधरी बंसीलाल स्टेडियम लाहली में रणजी ट्रॉफी एलीट का मैच वीरवार को शुरू हुआ। हरियाणा व बंगाल के बीच खेले जा रहे मैच में पहले दिन का खेल खत्म होने पर बंगाल ने पांच विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए। हरियाणा की ओर से खेलते हुए रोहतक के तंमय ने 3 विकेट लिए। वहीं अनुस्टुप मजुमदार के विकेट के साथ अंशुल कंबोज ने 100 प्रथम श्रेणी विकेट पूरे किए हैं। मौसम खराब

होने के कारण पहले दिन का मैच तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ है। हरियाणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की शुरूआत अच्छी रही व पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 61 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद बंगाल टीम के एक के बाद एक विकेट गिरते गए और पहले दिन का खेल खत्म होने पर बंगाल ने पांच विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए हैं।

श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालय में भारत माता की वंदना और विस्तार व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालय में भारत माता पूजा-वंदना एवं विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं जिला कुटुंब प्रबोधन गतिविधि (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के संयुक्त तत्वावधान में, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र के पूजन, वंदना एवं पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा एवं अन्य शिक्षकों ने मुख्य वक्ता देवेंद्र का स्वागत किया। इसके पश्चात स्वयंसेविका परी द्वारा राष्ट्र समर्पित एवं भारत माता के गुणगान पर आधारित गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि भारत केवल भूमि का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारी नित्य वंदनीय भारत माता है। उन्होंने कहा कि देश सेवा के लिए बड़े कार्यों की ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पवन, विकास, डॉ. अंजू देशवाल, डॉ. रजनी, डॉ. ज्योति देशवाल, डॉ. सुमित कुमारी दहिया, डॉ. शिखा, डॉ. हर्षिता, डॉ. प्रोमिला यादव, चन्दना जैन, डॉ. सुमित, डॉ. संदीप, डॉ. मधु विज, डॉ. प्रीति भाराद्वाज मौजूद रहे।

सकारात्मक क्रियाकलापों की भी आवश्यकता है। नागरिकों को अपने कर्तव्यों का सम्यक रूप से पालन करना चाहिए। मुख्य वक्ता देवेंद्र ने कहा कि स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों तथा पंच परिवर्तन विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में संस्कार, कर्तव्य और सामाजिक जिम्मेदारी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

शहीद हुए जवानों की पत्नियों और खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रोहतक। सुनारिया कलां में वीरता, सेवा और समर्पण सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पारस जन कल्याण सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रोग्राम की अध्यक्षता डॉ. दीपक भारद्वाज एडवोकेट ,बाबा सुखा शाह, स्वामी स्वदेश कबीर ने की। डॉ. आजाद बुधवार ने कहा कि पारस जन कल्याण सेवा समिति द्वारा यह सम्मान समारोह प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है और भविष्य में भी फौजियों, खिलाड़ियों एवं महिलाओं के सम्मान हेतु ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस गरिमामयी समारोह में देश की सेवा में कार्यरत फौजियों, सेवा के दौरान शहीद हुए वीर जवानों की पत्नियों तथा विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शॉल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से ब्रिगेडियर जगदीश सिंह, कर्नल जगदीप सिंह, कर्नल कृष्ण कुमार, सूबेदार देवेंद्र सिंह, प्रकाश सतगामा प्रधान, धर्मवीर पहलवान, कुलदीप सिंह पहलवान लेखक, जिला पार्षद राजपाल बुधवार व ऑनरेरी कैप्टन नरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

रोहतक। खिलाड़ियों को सुनारिया में सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आरएफपीएल टूर्नामेंट में जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आरएफपीएल टूर्नामेंट के तहत किंग्स कॉलेज में आयोजित फुटबॉल लीग प्रतियोगिता में जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल की फुटबॉल टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। गोयनका टीम ने लीग के अंतिम मुकाबले में किंग्स कॉलेज को 3-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल का सामना स्कॉलर्स रोसरी स्कूल से हुआ। यह मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और उच्च स्तरीय कौशल का परिचय दिया। कड़े संघर्ष के बीच गोयनका टीम ने निर्णायक गोल दागकर बढ़त बनाई और अंत तक इसे बरकरार रखते हुए स्कॉलर्स रोसरी स्कूल को 1-0 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। विद्यालय के निदेशक विक्रांत मायना एवं सान्या मायना ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का विकास करती हैं। सह-निदेशक हिमांशु गुप्ता ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे विद्यालय के लिए गर्व का विषय बताया। टीम की इस सफलता का श्रेय फुटबॉल कोच पंकज कुमार को जाता है। प्रतियोगिता में आदित्य राज व प्रतीक थपलियाल को 'बेस्ट मैच डिफेंडर' तथा विराट व आरव को 'बेस्ट स्कोरर' चुना गया।

धूमधाम से मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

रोहतक। तिलक नगर वैलफेयर सोसायटी की ओर से 77वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सीआर चौधरी और सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. राजेश रोहिल्ला ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। तिरंगा फहराते ही पूरा वातावरण राष्ट्रगान और देशभक्ति नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर सोसायटी के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संविधान में निहित मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

सीजेएम ने बाल विवाह मुक्ति रथ को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रांगण से बाल विवाह मुक्ति रथ को मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी -कम-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रोहतक डॉ. तरन्नुम खान ने हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया। बाल विवाह मुक्ति रथ जिले में बाल विवाह के खिलाफ 100 दिवसीय अभियान के तहत जस्ट राइटस फार चिल्ड्रन संगठन की सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इण्डिया द्वारा चलाया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी के विशेष सहयोग के साथ इस मुक्ति रथ पर बाल विवाह के बारे में जागरूक करते हुए फैक्स बोर्ड, स्लोगन, पोस्टर लगाए गए हैं। डॉ. तरन्नुम खान ने कहा कि एमडीडी ऑफ इण्डिया संस्था की बाल विवाह के खिलाफ यह पहल सराहनीय है।

नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता एमडीयू में तीन फरवरी से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) स्पेशल ओलंपिक भारत नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता तीन से सात फरवरी तक आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन नेशनल कैंप के लिए किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 13 विभिन्न खेलों के इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे। वॉलिंटियर्स और ऑर्गेनाइजिंग कमेटी को मिलाकर लगभग 1200 लोग इस आयोजन का हिस्सा होंगे। देश के 21 राज्यों से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाने आएंगे।कार्यक्रम के उद्घाटन में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे। इसके अलावा गेस्ट ऑफ ऑनर हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम शिरकत करेंगे।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ को लेकर जागरूकता रैली

रोहतक। महिला लिंगानुपात में सुधार और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को मजबूत करने के उद्देश्य से सुनारियां कलां और पहरावर गांव में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बेटियों को समान अधिकार देने और उनकी शिक्षा को प्राथमिकता देने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्रामवासियों के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

स्वर्गीय प्रो. सुमेधा की स्मृति में की शोक सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में वीरवार को सेवानिवृत्त प्राध्यापिका स्वर्गीय प्रो. सुमेधा धनी की पुण्य स्मृति में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, सेवानिवृत्त शिक्षाविदों, एलुमनाई एवं विद्यार्थियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शोक सभा की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. गुलाब सिंह ने की। इस दौरान सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार, प्राध्यापक सुनित मुखर्जी, डॉ. नवीन कुमार, एमडीयू सेवानिवृत्त शिक्षक फोरम के अध्यक्ष प्रो. केपीएस महलवार एवं सचिव प्रो. अमर वर्मा, सेवानिवृत्त लाइब्रेरियन डॉ. पीएन शर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. बलदेव मेहरा, एलुमनाई डॉ. आनंद शर्मा, संजय राठी तथा एलुमनी उमेश मौर्य ने स्वर्गीय सुमेधा धनी के जीवन, व्यक्तित्व और शैक्षणिक योगदान पर प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय सुमेधा धनी न केवल एक समर्पित शिक्षिका थीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्षरत रहीं। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें हरियाणा सरकार द्वारा दो बार राज्य स्तरीय सम्मान से नवाजा गया। वर्ष 2016 में उन्हें वूमेन अचीवर स्त्री शक्ति पुरस्कार तथा वर्ष 2021 में इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार (2020–21) प्रदान किया गया। वक्ताओं ने विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण, कन्या शिक्षा तथा समतामूलक समाज की स्थापना के लिए स्वर्गीय सुमेधा धनी द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को याद किया और उन्हें एक संवेदनशील शिक्षिका एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
Neuro Surgery
General Medicine
General Surgery
Orthopedics
ब्रेन, रीढ़ की हडिड्यों का ईलाज
दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
हरियाणा सरकार
आयुष्मान भारत
ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

अवलोकन

वास्तुकला परिषद की टीम ने सुविधाओं की जमकर सराहना की

डीएलसी सुपवा के आर्किटेक्चर विभाग का निरीक्षण

- छात्र-फैकल्टी अनुपात, आधुनिक लैब और इंफ्रास्ट्रक्चर को बताया अन्य संस्थानों के लिए मॉडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसी सुपवा) के प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट का गुरुवार को वास्तुकला परिषद (काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर) की टीम ने वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने विभाग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक सुविधाओं, आधुनिक लैब और यूनिवर्सिटी के समग्र इंफ्रास्ट्रक्चर की खुलकर सराहना की।

निरीक्षण टीम ने यह भी कहा कि यहां कुछ ऐसे सकारात्मक बिंदु देखने को मिले हैं, जिन्हें वे अन्य आर्किटेक्चर संस्थानों में लागू कराने की सिफारिश वास्तुकला परिषद से करेंगे। साल में एक बार होने वाले इस निरीक्षण के लिए वास्तुकला परिषद की ओर से गठित टीम में आंध्रप्रदेश सरकार के राज्य वास्तुकार एआर नवीन कनिथी और परिषद के मेंबर नोमिनेटिड डॉ केतन एस किमतकर शामिल रहे। यूनिवर्सिटी पहुंचने पर प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के एफसी अजय बाहू जोशी और डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ अजय कौशिक ने टीम का स्वागत करते हुए उन्हें बुके भेंट किए। निरीक्षण के दौरान टीम ने आर्किटेक्चर लैब का विस्तार से मुआयना किया और छात्रों को मिल रही तकनीकी व शैक्षणिक सुविधाओं का अध्ययन किया। टीम ने यूनिवर्सिटी के इंफ्रास्ट्रक्चर, कक्षाओं, संसाधनों और फैकल्टी की योग्यता से जुड़ी पूरी जानकारी हासिल की। इसके साथ ही टीम ने फैकल्टी सदस्यों और छात्र-छात्राओं से अलग-अलग बैठक कर फीडबैक लिया। छात्रों द्वारा अपने शैक्षणिक कार्यों से संबंधित लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया, जिसे टीम ने काफी सराहा।

रोहतक। मीटिंग लेते डीएलसी सुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य। फोटो: हरिभूमि

कुलगुरु ने किया संबोधित

डीएलसी सुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि जिस प्रकार यूजीसी किसी यूनिवर्सिटी का निरीक्षण करती है, उसी तरह काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट का सालाना मूल्यांकन करती है। उन्होंने कहा कि इस निरीक्षण से संस्थान को अपनी खूबियों और कमियों दोनों का आकलन करने का अवसर मिलता है। यदि परिषद की टीम किसी कमी की ओर ध्यान दिलाती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा। डॉ आर्य ने कहा कि यूनिवर्सिटी का लक्ष्य छात्रों को उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना और ऐसे सक्षम आर्किटेक्ट तैयार करना है, जो भविष्य में अपने उत्कृष्ट प्रोजेक्ट्स के माध्यम से हरियाणा का नाम देश-दुनिया में रोशन करें।

संकट मोचन मंदिर में हनुमान कथा का आयोजन

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री की पावन स्मृति में आयोजित 5 दिवसीय 25वां वार्षिकोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन वीरवार को हनुमान कथा का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मेयर मनमोहन गोयल और पार्षद रमेश बोरिया द्वारा ज्योति प्रचंड कर किया गया। पंडित अशोक शर्मा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी ने कथा का रसपान कराते हुए कहा कि सनातन धर्म में हनुमान को सबसे अधिक शक्तिशाली देवता माना गया है। साध्वी ने हनुमान द्वारा सूर्य को फल समझकर निगलने और उनके नटखट स्वभाव के रोचक प्रसंग सुनाए। उन्होंने बताया कि ऋषियों के श्राप के कारण हनुमान जी अपनी शक्तियां भूल गए थे, जिन्हें बाद में याद दिलाना पड़ा।

यत्र तत्र सर्वत्र कूड़ा ही कूड़ा

सेक्टर-4 की पुलिया से महेंद्रा मॉडल स्कूल तक हालात बदतर, पेयजल तक पहुंचा कचरा

यूं तो नहीं सुधरेगी स्वच्छता रैंकिंग

नगर निगम की ओर से समय-समय पर शहर को स्वच्छ बनाने के दावे किए जाते हैं। स्वच्छता रैंकिंग में शहर को आगे ले जाने के बड़े-बड़े वादे भी किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। हर सड़क पर गंदगी फैली है।

प्रदेशस्तर पर और सुधार करेंगे

3 से 10 लाख की जनसंख्या वाले शहरों में रोहतक को प्रदेश स्तर पर पहला स्थान मिला है। वाटर प्लस में एक स्टार मिला है। प्रदेशस्तर पर और सुधार करेंगे। पार्षदों, बाजार एसोसिएशन, औद्योगिक एसोसिएशन व अन्य संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। - **रामअवतार वाल्मीकि**, मेयर

सड़क किनारे पड़ी गंदगी बहकर रजबाहे में मिल रही, यही पानी शहर में हो रहा सप्लाई

बीजेपी नेताओं के घरों के सामने भी लगा गंदगी का अंबार, स्वच्छता के दावों पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-4 की पुलिया से लेकर महेंद्रा मॉडल स्कूल तक की मुख्य सड़क इन दिनों बदहाली की तस्वीर बनी हुई है। हैरानी की बात यह है कि इसी सड़क पर तीन बीजेपी नेताओं के मकान भी स्थित हैं, इसके बावजूद यहां गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। सड़क के दोनों ओर फैला कचरा न सिर्फ आसपास के लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है, बल्कि पैदल आने-जाने वालों के लिए भी यह रास्ता जोखिम भरा हो गया है। मुख्य सड़क होने के कारण यहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है, लेकिन सफाई व्यवस्था पूरी तरह से नदारद नजर आ रही है।

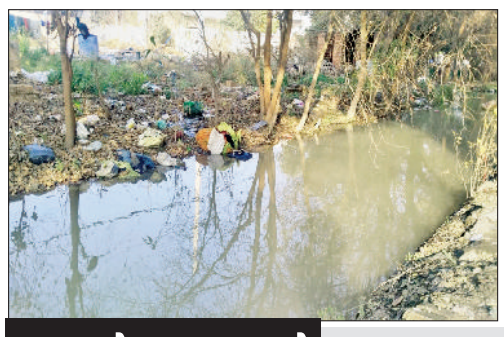

समस्या से अवगत करवाने के बाद भी यही हालात

स्थानीय लोगों ने ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब नेताओं के घरों के आसपास भी सफाई नहीं हो पा रही, तो आम इलाकों की हालत कैसे सुधरेगी।

राष्ट्र स्तरीय रैंकिंग

वर्ष	रैंक
2016	288वीं
2017	295वीं
2018	89वीं
2019	69वीं
2020	35वीं
2021	49वीं
2022	38वीं
2023	109वीं
2024	25 वीं

हल्की बारिश से भी बिगड़ जाते हैं हालात

लोगों का कहना है कि इस सड़क के किनारे से जेएलएन नहर से जलघर-1 के लिए रजवाहा निकलता है, जिससे शहर के जलघर में पानी पहुंचता है। इसी रजवाहे के किनारे भारी मात्रा में गंदगी पड़ी है। स्थिति यह है कि कचरा और गंदा पानी बहकर सीधे रजवाहे में जा रहा है और आगे चलकर यही पानी जलघर तक पहुंच रहा है। ऐसे में पानी की गुणवत्ता और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यहां बदबू और गंदगी के कारण रुकना तक मुश्किल हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात या हल्की बारिश होने पर हालात और भी खराब हो जाते हैं। सड़क पर फैला कचरा नालियों और रजवाहे में बहने लगता है।

सेक्टर दो-तीन के मुख्य बाजार भी कचरे के ढेर से अटे पड़े

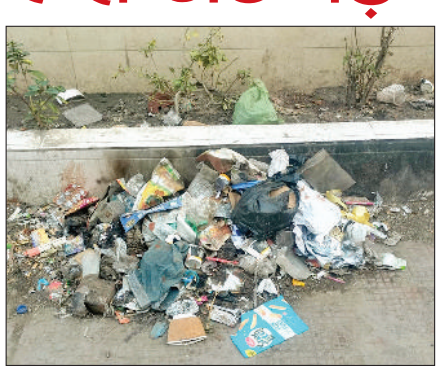

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के सेक्टर दो-तीन के मुख्य बाजार में पिछले तीन माह से पड़े कूड़े के ढेर लोगों के लिए गंभीर समस्या बन चुके हैं। बाजार में लगभग सौ मीटर के दायरे में तीन बड़े कूड़े के ढेर जमा हैं, जिन्हें उठाया नहीं जा रहा। स्थानीय लोगों का दावा है कि पिछले दो महीनों से सफाई कर्मचारी भी नजर नहीं आए। जबकि वह नगर निगम के अधिकारियों और पार्षद को शिकायत कर चुके हैं। कूड़े के ढेरों से लगातार बदबू फैल रही है, जिससे बाजार में आने वाले हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि गंदगी के कारण ग्राहक भी बाजार आने से कतराने लगे हैं, जिससे व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। इसके अलावा कूड़े में आवारा पशु मुंह मारते रहते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कूड़े के ढेरों को तुरंत हटाया जाए, नियमित सफाई व्यवस्था बहाल की जाए और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके।

बीमारियों का खतरा बढ़ा

स्थानीय निवासी अंकित शर्मा ने बताया कि नगर निगम को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि कूड़े के ढेरों के कारण मच्छर और मक्खियां पनप रही हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

खराब हो रही छवि

दुकानदार सन्नी ने बताया कि बाजार शहर का प्रमुख क्षेत्र है और यहां रोजाना हजारों लोग खरीदारी करने आते हैं। कूड़े के ढेरों की वजह से बाजार की छवि खराब हो रही है। उन्होंने नगर निगम से जल्द से जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।

ठगा महसूस कर रहे लोग

स्थानीय निवासी परविंदर ने बताया कि यदि जल्द ही कूड़ा नहीं उठाया गया तो यहां बीमारी फैल सकती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की लापरवाही से जनता में रोष व्याप्त है और लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। प्रशासन को यहां तुरंत सफाई करवानी चाहिए।

खबर संक्षेप

ग्रुप डी की वेटिंग जारी हो, पद पड़े हैं खाली

रोहतक। ग्रुप डी की नौकरी इंतजार कर रहे अभ्यार्थियों ने वीरवार को डीसी को ज्ञापन सौंपकर अतिरिक्त सूची जारी करने की मांग की। ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा गया है। इसमें बताया गया है कि 2 जुलाई 2025 को मुख्यमंत्री व कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया था कि ग्रुप डी का एक भी पद खाली नहीं छोड़ा जाएगा। इसके लिए वेटिंग सूची भी जारी होगी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया, ऐसी जानकारी सरकार को भेजे गए ज्ञापन में अभ्यार्थियों ने दी है। ज्ञापन देने वाले अंकित, अनुराम समेत अन्य का कहना है कि वर्तमान में 4078 से अधिक पद रिक्त हैं।

आत्मविश्वास और प्रभावी सहयोग के गुर सिखाए

रोहतक। महर्षि दयानंद विवि. के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी व करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमेंट विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला के दौरान रिसोर्स पर्सन मनीषा शर्मा ने संचार एवं समस्या समाधान कौशल, तनाव एवं क्रोध प्रबंधन, टीम में प्रभावी ढंग से कार्य करना, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आत्म-नियंत्रण, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता तथा अनुकूलनशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

2 से 6 फरवरी तक व्यावसायिक सप्ताह

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के सभी रोजगार कार्यालयों तथा विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन केन्द्रों में 2से 6 फरवरी तक व्यावसायिक सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों एवं युवाओं को व्यावसायिक मार्गदर्शन, रोजगार के विभिन्न अवसरों, स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

समाधान शिविर में सुनीं गई लोगों की समस्याएं

रोहतक। लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नगराधीश अंकित कुमार, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, पुलिस उपाधीक्षक दलीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इन समस्याओं का यथासंभव उचित निपटारा करवाना सुनिश्चित करें।

दुकान से नगदी व सामान चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने दुकान से नगदी व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को सुलझाते हुए इसमें शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना सांपला प्रभारी उप निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि भैसरु कलां निवासी हरिओम की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। शिकायतकर्ता हरिओम की मैन बस स्टैंड के पास किराने की दुकान है, जबकि दुकान के पीछे ही उसका मकान बना हुआ है। हरिओम ने बताया कि 7 दिसंबर 2025 की रात वह दुकान बंद कर घर में सो गया था। अगली सुबह जब उसने दुकान खोली तो ताला टूटा हुआ मिला। दुकान से करीब 19 से 20 हजार रुपये नगद चोरी पाए गए। हरिओम के गांव में स्थित एक अन्य दुकान से भी एक एलईडी टीवी और करीब 20 हजार रुपये चोरी होने की सूचना मिली। वहीं गांव के ही दो अन्य घरों से भी नकदी और मोबाइल फोन चोरी होने की बात सामने आई, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।

घटना स्थल का निरीक्षण

मामले की जांच पीएसआई बलविंद्र द्वारा अमल में लाई गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, आसपास के लोगों से पूछताछ की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। जांच के दौरान 28 जनवरी को पुलिस ने वारदात में शामिल रुस्तम पुत्र संजय निवासी सांपला तथा अक्षय निवासी सांपला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि चोरी गए सामान की बरामदगी और अन्य वारदातों में संलिप्तता का खुलासा किया जा सके।

डीसी ने की पेराई सत्र की समीक्षा

मिल की चीनी रिकवरी दर को 9 प्रतिशत तक पहुंचाएं : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बृहस्पतिवार को रोहतक व महम सहकारी चीनी मिल के अधिकारियों के साथ वर्तमान पेराई सत्र की समीक्षा की। उन्होंने वर्तमान पेराई सत्र को सुचारू ढंग से संपन्न करवाने तथा चीनी मिल को लाभ में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। गुप्ता ने वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में भाली आनंदपुर स्थित सहकारी चीनी मिल तथा महम सहकारी चीनी मिल के प्रबंध निदेशकों एवं उच्चाधिकारियों के साथ वर्तमान पेराई सत्र की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मिल को फायदे में लाने के लिए चीनी रिकवरी दर को 9 प्रतिशत तक पहुंचाये। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों द्वारा तैयार की गई चीनी को उच्च दर पर बिक्री, हैफेड के साथ तालमेल के अलावा सरकारी एजेंसियों को सप्लाई करने की संभावनाएं तलाशे।

रोहतक। रोहतक व महम सहकारी चीनी मिल के अधिकारियों के साथ वर्तमान पेराई सत्र की समीक्षा बैठक लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता।

डीसी ने कहा कि रोहतक चीनी मिल में वर्तमान पेराई सत्र के दौरान अब तक 11 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की गई है, जबकि महम चीनी मिल में अब तक लगभग 8.40 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की गई है। बैठक में रोहतक चीनी मिल की प्रबंध निदेशक श्वेता सुहाग, महम चीनी मिल के प्रबंध निदेशक मुकुल तंवर के अलावा मिल्स प्रबंधन से आनंद सिंह, संजीव कुमार, वीरेंद्र कुमार, अजय बल्हारा व अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर बनाई रणनीति

रोहतक। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर राज्य कार्यकारिणी की अहम बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने की, जबकि संचालन महासचिव सुमेर सिवाच ने किया। इसमें प्रदेश भर के सभी डिपो कमेटियों और राज्य कमेटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में हड़ताल को सफल बनाने के लिए चार टीमों का गठन किया गया। ये टीमें प्रदेश के सभी डिपो का दौरा कर गेट मीटिंग और कर्मचारी सभाएं करेंगी। यूनियन ने निजीकरण की नीतियों, चारों लेबर कोड रद्द करने, आठवें वेतन आयोग के गठन, समान काम समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाली, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और रिक्त पदों पर भर्ती जैसी प्रमुख मांगें दोहराईं। राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने कहा कि सरकार और परिवहन विभाग के साथ कई दौर की बातचीत के बावजूद कर्मचारियों की मांगों पर अमल नहीं हुआ, जिससे कर्मचारियों में रोष है।

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने की नारेबाजी

महम। सीटू और सर्व कर्मचारी संघ से जुड़े कर्मचारियों ने वीरवार को महम नगर पालिका में एक बैठक की। इस बैठक के दौरान मांगों को लेकर कर्मचारियों ने केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि वे 12 फरवरी को होने वाली देशव्यापी हडताल में शामिल होंगे। कर्मचारियों ने सरकार से लेबर कोड रद्द करने, न्यूनतम वेतन 30000 रुपए लागू करने, आंगनबाड़ी वर्कर, आशा वर्कर, मिड डे मील वर्कर, वन मजदूरों, ग्रामीण चौकीदार व सफाई कर्मियों समेत सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग की। नया बिजली बिल, बीज विधेयक, वीबी ग्राम जी को रद्द करने, पुरानी पेंशन की बहाली, सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने समेत अन्य मांगो को लेकर प्रदर्शन किया। बैठक की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ नेता संजय ने की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल करके हजारों मजदूर, कर्मचारी महम में इकट्ठा होकर रोष प्रदर्शन करेंगे।

बिजली कर्मचारियों ने की भूख हड़ताल

रोहतक। राज्य सरकार की ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी और कच्चे कर्मचारियों को पक्का न करने के विरोध में रोहतक सर्किल की तीनों डिविजनों के बिजली कर्मचारियों ने भूख हड़ताल की। यह हड़ताल 10 जनवरी को राज्य चेयरमैन देवेंद्र सिंह हुड्डा के निर्देशानुसार ऑल हरियाणा पॉवर कॉर्पोरेशन वर्कर यूनियन के बैनर तले की गई। सर्किल सचिव विकास दहिया की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने नीतियों को तानाशाही बताते हुए विरोध जताया और हाईकोर्ट के आदेश लागू करने की मांग की। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि मांगें न मानी गईं तो 2 फरवरी 2026 को प्रदेशव्यापी भूख हड़ताल की जाएगी। इस मौके पर नवजीत खत्री सचिव सांपला, राजेश यादव, ओमवीर प्रेस सचिव,विनोद, जयवीर खिचड़, सुधीर राठी, आदि मौजूद रहे ।

पोस्टर और लघु फिल्म दिखाकर यातायात नियमों का पालन करने के लिए किया प्रेरित

■ वैश्य कॉलेज आफ एजुकेशन में सड़क सुरक्षा अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैश्य कॉलेज आफ एजुकेशन में मैनेजमेंट के मार्गदर्शन में प्राचार्या डॉक्टर तरुणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में आइक्यूएसी के अंतर्गत वाईआरसी और सड़क सुरक्षा क्लब की कोऑर्डिनेटर प्रीती दहिया और टीम सदस्य डॉक्टर दिनेश और डॉक्टर सुनीता द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए सभी को यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार व्यवहार विकसित करना तथा दुर्घटनाओं में कमी लाना है। अभियान के अंतर्गत हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, शराब पीकर वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा पैदल यात्रियों के अधिकारों जैसे विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर डॉक्टर मधु साहनी, डॉक्टर ज्योति आहूजा, डॉक्टर निधि, डॉक्टर कमलेश, मीनू गुप्ता, अंजू सचदेवा, डॉक्टर पूजा पसरीजा, डॉक्टर सुदेश, इंदु जैन, डॉ मोनिका गोयल, मनजीत, पूजा, सीमा, परीक्षा, मेघा, कंचन, नीतू एव एमएड, बीएड व डीएलएड के सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते टीम सदस्य डॉक्टर दिनेश ।

आईआईपीए मंच पर डॉ. राजेश कुंडू ने पेश किया भारतीय प्रशासन पर शोध पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया गया

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के लोक प्रशासन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) नई दिल्ली की ओर से आयोजित पुस्तक- पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन इंडियाः थ्योरी, पालिसी, प्रैक्टिस के प्रतिष्ठित विमोचन कार्यक्रम में लेखक एवं वक्ता के रूप में सहभागिता कर विश्वविद्यालय का प्रभावी प्रतिनिधित्व किया। यह राष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक आयोजन गत दिवस आईआईपीए के सार्थक हॉल में सम्पन्न हुआ। शैक्षणिक सत्र के दौरान डॉ. राजेश कुमार कुंडू ने भारतीय प्रशासन का विकास एवं शासन की दार्शनिक एवं संवैधानिक रूपरेखा विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने कौटिल्य के अर्थशास्त्र से आधुनिक संवैधानिक व्यवस्था तक भारतीय प्रशासन के विकास को स्पष्ट करते हुए लोक प्रशासन को अनुप्रयुक्त विज्ञान के रूप में समझने, संघवाद, विकेंद्रीकरण व नागरिक-केंद्रित और नैतिक प्रशासन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। डॉ. कुंडू की प्रस्तुति को विद्वानों द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यूपीएससी के पूर्व सदस्य राजीव नयन चौबे रहे। यह पुस्तक सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, प्रो. अशोक, प्रो. सुरेश मिश्रा एवं डॉ. ममता पठानिया द्वारा संपादित की गई है, जिसमें भारतीय लोक प्रशासन के सिद्धांत, नीति एवं व्यवहार पर केंद्रित 24 शोध अध्याय सम्मिलित हैं।

एडीजीपी हरदीप सिंह दून ने किया रोहतक का दौरा

कानून एवं व्यवस्था कंपनियों का किया निरीक्षण

सभी दंगा निरोधक उपकरण पूरी तरह से दुरुस्त किए जाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरदीप सिंह दून ने बृहस्पतिवार को जिला रोहतक का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस लाइन रोहतक में कानून एवं व्यवस्था से निपटने के लिए तैयार की गई कंपनियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रोहतक रेंज सिमरदीप सिंह, पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भौरिया, एएसपी वाईवीआर शशि शेखर, एएसपी प्रतीक अग्रवाल, डीएसपी मुख्यालय रवि खुंडिया, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एडीजीपी ने पुलिस लाइन में लॉ एंड ऑर्डर कंपनी का निरीक्षण किया और जवानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से निपटने के लिए बनाई गई कंपनियों में नए और अनुभवी दोनों प्रकार के जवानों का समावेश होना चाहिए। सभी दंगा निरोधक उपकरण पूरी तरह से दुरुस्त हों और कंपनियों द्वारा निरंतर अभ्यास किया जाए। पुलिस जवान भी साप्ताहिक अवकाश लें।

रोहतक। आईजी रोहतक, एसपी व अन्य अधिकारियों की बैठक लेते अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरदीप सिंह दून।

30 दिन का बैकअप रखें

एडीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगे होने चाहिए। सीसीटीवी का कम से कम 30 दिन का बैकअप रखा जाए। नाकाबंदी कर वाहनों की नियमित जांच की जाए। युवा पीढ़ी का समाज पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है इसलिए युवाओं को जागरूक किया जाए।

क्विज में मोहित और शुभम ने प्रथम स्थान किया हासिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ राष्ट्रीय पर्यटन दिवस को लेकर करवाई प्रतियोगिता

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) ने राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत पर्व सप्ताह के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए। क्विज प्रतियोगिता में मोहित और शुभम प्रथम, वतन और हितेश द्वितीय तथा मान्यता जोशी और रोहित तृतीय स्थान पर रहे। स्लोगन राइटिंग में पूर्वा ने प्रथम पुरस्कार जीता। कार्यक्रम की शुरुआत आईएचटीएम निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि यह दिवस देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के प्रति जागरूकता, रोजगार सृजन और सतत पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। प्रो. आशीष दहिया ने विद्यार्थियों को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी और उन्हें ट्रैवल ऑपरेशंस, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट, हॉस्पिटैलिटी, एविएशन, इवेंट मैनेजमेंट और एडवेंचर व सस्टेनेबल टूरिज्म जैसे निच क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अनूप कुमार ने एडवेंचर पर्यटन से जुड़ी चुनौतियों जैसे जोखिम प्रबंधन, सुरक्षा, पर्यावरणीय कारक और शारीरिक तैयारी पर विस्तार से चर्चा की। विद्यार्थियों ने लाइव टेंट-मेकिंग डेमोंस्ट्रेशन में विशेष रुचि दिखाई।

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 13 को मिला रोजगार

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी-एमडीयू) में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल तथा करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में गुरुग्राम स्थित प्रतिष्ठित कंपनी अवनी एंटरप्राइजेज में विभिन्न पदों के लिए 13 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। यूआईईटी-एमडीयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अरुण हुड्डा ने बताया कि कंपनी की सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल टीम का नेतृत्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कपिल खंडेलवाल ने किया। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, तकनीकी एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार व अन्य मूल्यांकन चरण शामिल रहे।यह कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव बीटेक एवं एमटेक (सभी शाखाएं), एमसीए, बीसीए, बीबीए और एमबीए पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। कुल 147 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 57 विद्यार्थियों ने विभिन्न चरणों में भाग लिया। कड़ी चयन प्रक्रिया के उपरांत अवनी इंटरप्राइजेज द्वारा 13 विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों में अंशु सैनी, अभिषेक कुमार, अंशु कुमार, कनिष्का ठाकुर, यतिंदर कुमार, सौरभ यादव, अंशु, यश, वंश, फरहान, आदिल अली, साहिल एवं स्नेहा शामिल हैं। सभी चयनित विद्यार्थी बीटेक पाठ्यक्रम से संबंधित हैं।